तापमान

अधिकतम 30.0 डिग्री

न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

11 जय श्रीराम के जयघोष से गूंजता रहा हरिहर...



12 खरीदी से पहले ही सक्रिय हुए तस्कर ओडिशा का ...



सुखा नदी पर पुल निर्माण कार्य प्रारंभ, किसानों ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

कोमा-खान मार्ग पर सुखा नदी में पुल निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही आसपास के किसानों ने जमीन प्रभावित होने को लेकर आपत्ति जताई है। किसानों का आरोप है कि पुल निर्माण से उनकी निजी जमीन प्रभावित हो सकती है, लेकिन अब तक उन्हें न तो इसकी जानकारी दी गई है और न ही उनकी सहमति ली गई है। इस संबंध में प्रभावित किसानों ने कलेक्टर का आवेदन प्रस्तुत कर पुल का निर्माण वर्तमान निर्माण स्थल के बजाय नदी के नीचे की ओर कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि पुल निर्माण के लिए पूर्व में किए गए सर्वे के दौरान नदी के नीचे की ओर पुल बनाने की योजना पर काम हुआ था। उनका दावा है कि यदि पुल का निर्माण नीचे की ओर किया जाता है, तो किसानों की निजी जमीन प्रभावित होने की आशंका कम होगी और पुल का निर्माण भी सीधी दिशा में हो सकेगा। वहीं, वर्तमान में पुराने पुल के ऊपर की ओर निर्माण किए जाने से कई किसानों की जमीन प्रभावित होने की आशंका है। इससे पुल की सीध को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं।

कई किसानों की जमीन प्रभावित होने की आशंका : पुल निर्माण के दोनों ओर स्थित जमीन को लेकर किसानों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। किसानों का कहना है कि निर्माण कार्य आगे बढ़ने से पहले यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि किसकी कितनी जमीन प्रभावित होगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि जमीन की स्थिति स्पष्ट करने, प्रभावित किसानों को जानकारी देने और उनकी आपत्तियों पर विचार करने के बाद ही निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जाए, ताकि किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

बिना सहमति और सूचना के साइट बदलने का आरोप, जमीन प्रभावित होने की आशंका

पटवारी से ली जा रही जमीन की जानकारी

इस संबंध में विभागीय अधिकारी ने बताया पुल की लंबाई 215 , चौड़ाई 12.900 मीटर हैं, उन्होंने कहा कि पटवारी के माध्यम से दोनों ओर की जमीन का विवरण जुटाया जा रहा है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि किन किसानों की कितनी जमीन प्रभावित हो सकती है। अधिकारी के अनुसार, फिलहाल नदी में ही निर्माण कार्य चल रहा है। आगे का कार्य शुरू होने से पहले संबंधित किसानों को उनकी जमीन सहित अन्य आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। जमीन के मुआवजे से संबंधित प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से पूरी की जाएगी।



शहीद स्मारक और प्रतीक्षालय को लेकर भी चिंता

इस पुल निर्माण को लेकर नक्सली घटना में शहीद महेंद्र ठाकुर की स्मृति से जुड़े स्थल को लेकर भी चिंता जताई गई है। शहीद की बहन पार्वती ध्रुव और पत्नी नंदिनी ध्रुव ने शासन-प्रशासन को पत्र लिखकर मांग की है कि पुल का निर्माण नदी के नीचे की ओर कराया जाए। उनका कहना है कि वर्तमान प्रस्तावित दिशा में निर्माण होने से शहीद के नाम पर बने स्मारक, प्रतीक्षालय, मंदिर एवं अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंचने की आशंका है। उन्होंने मांग की है कि निर्माण की दिशा तय करते समय शहीद की स्मृति से जुड़े इन स्थलों को सुरक्षित रखने का ध्यान रखा जाए। इस संबंध में उन्होंने भी कलेक्टर और हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत किया है।

खबर संक्षेप

बेलर में विधायक रोहित आएंगे, 22 और 26 अक्टूबर को



छुईहा बेलर। राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू का ग्राम बेलर में 22 एवं 26 अक्टूबर को आगमन होगा। दोनों अवसरों पर वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर नवीन भवनों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। विधायक कार्यालय के निज सहायक किशोर साहू ने उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 अक्टूबर को ग्राम बेलर में तहसील साहू संघ के अध्यक्ष खोमन साहू के नवीन भवन में आयोजित सत्यनारायण कथा एवं पूजा-अर्चना कार्यक्रम में विधायक रोहित साहू शामिल होंगे। इस अवसर पर वे फीता काटकर गृह प्रवेश कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि एवं सिरकट्टी आश्रम के संत गोवर्धन शरण व्यास तथा भागवताचार्य पं. त्रिभुवन मिश्रा का सानिध्य प्राप्त होगा। इसके साथ ही क्षेत्र के वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। इसी क्रम में 26 अक्टूबर को विधायक रोहित साहू ग्राम बेलर में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता स्व. राजाराम साहू की स्मृति में नारायण साहू एवं उपसरपंच शंकर साहू द्वारा आयोजित व्यक्ति कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान सत्यनारायण कथा एवं पूजा-अर्चना के पश्चात विधायक फीता काटकर गृह प्रवेश का शुभारंभ करेंगे।

एसडीएम राजिम को चक्काजाम की सूचना देकर सौंपा आवेदन

सरगीनाला की टूटी पुलिया पर चार माह में नहीं बनी व्यवस्था कोपरा नेशनल हाईवे पर 23 को ग्रामीण करेंगे चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

जिले के फिंगेश्वर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रवेली लोहरसी के पास सरगी नाला की क्षतिग्रस्त पुलिया चार माह बाद भी आवागमन के लिए बहाल नहीं हो सकी है। बारिश के दौरान पुलिया का एक हिस्सा बह जाने से आसपास के कई गांवों का संपर्क प्रभावित है। शासन-प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी समस्या को लेकर ग्रामीणों ने 23 अक्टूबर को कोपरा स्थित नेशनल हाईवे-130सी पर चक्काजाम करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने एसडीएम राजिम को आवेदन प्रस्तुत कर प्रस्तावित चक्काजाम की सूचना भी दी है।

- आवागमन ठप होने से कई गांवों के लोग परेशान, 12 किमी से अधिक का अतिरिक्त चक्कर

12 से 15 किलोमीटर अतिरिक्त सफर की मजबूरी

ग्रामीणों के अनुसार सरगी नाला की पुलिया क्षतिग्रस्त होने से मुरमुरा, सांकरा, फुलझर, गाड़ाघाट सहित आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चों, किसानों, व्यापारियों और कर्मचारियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए 12 से 15 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं। रोजमर्रा के कामकाज के साथ शिक्षा, कृषि और व्यापार भी प्रभावित हो रहे हैं।





बैठक में चक्काजाम का निर्णय, एसडीएम को सौंपा आवेदन

इसी मुद्दे को लेकर 18 अक्टूबर को ग्रामीणों की विशेष बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सर्वसम्मति से 23 अक्टूबर को कोपरा नेशनल हाईवे-130सी पर चक्काजाम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद प्रस्तावित आंदोलन की सूचना देने के लिए एसडीएम राजिम को आवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने पर उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से चक्काजाम की नौबत आने से पहले पुलिया की मरम्मत और आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।



शिकायतों के बाद भी नहीं निकला समाधान

ग्रामीणों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए क्षेत्रीय विधायक, कलेक्टर और संबंधित विभागीय अधिकारियों को लिखित आवेदन दिए गए हैं। सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 पर भी शिकायत की गई, लेकिन इसके बावजूद अब तक आवागमन के लिए कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बन पाई है। चार माह से परेशानी झेल रहे ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब पुलिया से कई गांवों के लोगों का रोजाना आवागमन जुड़ा है, तो अब तक अस्थायी व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

रपटा बनाने का काम भी नहीं हो पाया शुरू

नये पुल के निरक्षण मे 16 अक्टूबर को पहुंचे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के ए. सी. बलवंत पटेल नें सात दिवस के अंदर नदी मे ग्रामीणों के आने जाने के लिये प्रभाव से रपटे को बनाने ठेकेदार को निर्देशित किया था किन्तु अब तक कोई कार्य शुरू नही हुआ है, हालांकि 19 अक्टूबर कि संध्या एक ट्रक मे 12 नग दोंध सरगी नदी पहुँच किन्तु अभी तक कोई प्रतिक्रिया रपटा बनाने कि नही दिखी है.

ये रहे उपस्थित

ग्राम विकास समिति रवेली के संरक्षक श्रवण यादव, अध्यक्ष लक्ष्मण कश्यप, उपाध्यक्ष बसंत यादव, सचिव रमेश कश्यप, सलाहकार तुलसीराम निषाद, गणेश निषाद, सरपंच प्रतिनिधि लोमश ध्रुव, मुकुंद निषाद, गिरधारी विश्वकर्मा, घनश्याम मानिकपुरी, लोकेश भेंडियां, जयराम निषाद, लोकनाथ साहू, मोतीराम भंडारी, अमन साहू, प्रेमशंकर घोघरे घनश्याम मरकाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

देवभोग, छुरा, राजिम और मैनपुर के बदले एसडीएम



हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

जिले में प्रशासनिक कार्यों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रणबीर शर्मा ने राज्य प्रशासनिक सेवा के पांच अधिकारियों के कार्यस्थल में आंशिक संशोधन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकारियों को जिले के विभिन्न अनुविभागों एवं कलेक्टर कार्यालय में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

- जिले में प्रशासनिक फेरबदल, पांच अधिकारियों के कार्यस्थल में संशोधन

इनमें संयुक्त कलेक्टर टी.आर. महेश्वरी को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), देवभोग पदस्थ किया गया है। वहीं, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विशाल महाराणा को संयुक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर गरियाबंद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार संयुक्त कलेक्टर अवंति गुप्ता को छुरा के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नियुक्त किया गया है। डिप्टी कलेक्टर नेहा भेड़िया को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), राजिम तथा डिप्टी कलेक्टर लोकांश एल्मा को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मैनपुर के पद पर पदस्थ किया गया है।

विजयादशमी पर कोठी गांव में रंगमंच और शीतला मंदिर निर्माण की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमावर्ती क्षेत्र के अंतिम ग्राम पंचायत कोठी में विजयादशमी का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव में धार्मिक आस्था के साथ छत्तीसगढ़ की लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति लेखराज ध्रुव शामिल हुए। आयोजन के दौरान गांव में रंगमंच निर्माण और शीतला मंदिर निर्माण की घोषणा की गई, जिससे ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गांव के स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ी लोककला पर आधारित पारंपरिक नाचा रहा। नवसृजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं, ग्रामीण जीवन और सांस्कृतिक विरासत को मंच पर जीवंत करने का प्रयास किया। स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। गांव में आयोजित इस कार्यक्रम ने धार्मिक उत्सव के साथ लोकसंस्कृति को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया। ग्रामीण अंचलों में दशहरा जैसे पर्व केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि सामाजिक एकता, आपसी मेल-मिलाप और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम भी बनते हैं। कोठी गांव में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिला। वहीं, रंगमंच निर्माण की घोषणा से भविष्य में गांव के कलाकारों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्थायी मंच उपलब्ध होने की उम्मीद है।

- स्थानीय कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोककला और पारंपरिक नाचा की प्रस्तुति से बांधा समां



इनकी रही सहभागिता

कार्यक्रम में दामोदर सोरी, श्यामलाल सोरी, गुलाब सोरी, सहदेव विश्वकर्मा, किरण विश्वकर्मा, चैतराम नागेश, अरविंद जायसवाल, जगदेव मरकाम, कतीराम, भीमसेन, गंगाराम, दिलीप, बसंत, यशवंत, नैनसिंह, बल्ला, ओमकार, लांछन, आनंद, दवाद राम, दयालाल, केक्तू राम, विजय, कलीराम, सोनसाय, पुराणिक, शोहद्रा बाई, गीता, मीना और सुनती सहित अन्य ग्रामीणों की सहभागिता रही।

आलेखूंटा में अतिरिक्त कक्ष एवं किचन शेड का भूमिपूजन

नवापारा-राजिम। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आलेखूंटा में 14 लाख रूपए की लागत से अतिरिक्त कक्ष एवं किचन शेड निर्माण का भूमिपूजन हुआ। जिसमें अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति चंद्रकला ध्रुव, जनपद सभापति राजेश्वरी ध्रुव, सरपंच भागेश्वरी-झाड़ूराम सिन्हा ,उपसरपंच प्रीतम सिन्हा,सोनू सिन्हा, गणेश ध्रुव, पार्वती ध्रुव, संतोषी ध्रुव, मुंगेश्वरी सिन्हा, शोभा ध्रुव, प्रीती सिन्हा, दिनेश्वरी यादव, अलख सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि रामचन्द ध्रुव, सासंदप्रतिनिधि शंकर साव मौजूद थे।



वोट चोरी के विरोध में मंडेली में कांग्रेस ने की पदयात्रा



मुड़ागांव (कोरासी)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छुरा के तत्वावधान में सोमवार को ग्राम मंडेली में कथित वोट चोरी के विरोध में पदयात्रा निकालकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मताधिकार की सुरक्षा, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की मांग उठाई।

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला दहन
- लोकतंत्र की रक्षा का लिया संकल्प

कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत के सामने स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 का पाठ किया, जो वयस्क मताधिकार के आधार पर निर्वाचन से संबंधित है। इसके पश्चात कार्यकर्ताओं ने गांव में पदयात्रा निकालकर मताधिकार की सुरक्षा का संदेश दिया।

पदयात्रा मुख्य चौक पर पहुंचने के बाद भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित वोट चोरी के मुद्दे पर विरोध जताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार हैं।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस की अध्यक्ष महेश्वरी शाह, जिला महिला कांग्रेस गरियाबंद की जिलाध्यक्ष मंजू ध्रुव, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अब्दुल समद खान, वरिष्ठ कांग्रेसी अवध मरकाम, भानु वर्मा एवं बालमुकुंद चंद्राकर, ब्लॉक के प्रभारी महामंत्री हरीश यादव, छुरा मंडल अध्यक्ष नीलकंठ ठाकुर, पार्षद शांतनु देवांगन, सचिव रमेश चंद्राकर, मंडेली मंडल अध्यक्ष गजेंद्र ठाकुर, गोल्डन यादव, मोनू दीक्षित, एनएसयूआई अध्यक्ष विकास दुबे, अल्ताफ खान, वीरेंद्र निर्मलकर, लक्ष्मी ठाकुर, रेवा राम ओगरे, गणेशी बाई, बुधाबाई, ललिता बाई, रजनी, भीखम ध्रुव, देवसिंग, खिलेंद्र, गुलशन, लोचन धुर्वा एवं भागेश्वर ठाकुर सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

कलेक्टर शर्मा ने तैयारियों के लिए अधिकारियों को सौंपे दायित्व

पुलिस ग्राउंड में 2 नवंबर को होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 02 नवंबर 2026 को जिला मुख्यालय गरियाबंद के पुलिस ग्राउंड में एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन के संबंध में आवश्यक बैठक ली। कलेक्टर श्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राज्योत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाकर शासन की योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष प्रदर्शनी की मुख्य थीम सशक्त नारी, युवा उड़ान होगी।

कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि राज्योत्सव स्थल पर विभागीय स्टॉल, मंच, बैठक व्यवस्था, विद्युत, साउंड सिस्टम, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग एवं सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं। विभागीय प्रदर्शनी में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। स्टॉलों में एकरूपता बनाए रखने के लिए समान डिजाइन एवं आकार के फ्लेक्स लगाए जाएं। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए।



राज्योत्सव के अवसर पर स्कूल एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कलेक्टर ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को शालीन एवं गरिमामय रखने तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम स्थल पर दर्शकों, अतिथियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था करने को कहा। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं, एम्बुलेंस तथा अन्य आवश्यक आपातकालीन व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित किया जाएगा।

राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 1 नवंबर से 3 नवंबर तक प्रत्येक रात्रि जिला मुख्यालय के शासकीय भवनों एवं अन्य स्थलों पर रोशनी की जाएगी। संबंधित विभागों को भवनों में आकर्षक प्रकाश व्यवस्था करने तथा "सशक्त नारी, युवा उड़ान" की थीम को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। निजी संस्थानों को भी स्थापना दिवस के पर रोशनी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस व्यवस्था पर होने वाला व्यय संबंधित प्रशासकीय विभाग अपने विभागीय बजट से वहन करेंगे।

अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर करें काम

कलेक्टर श्री शर्मा ने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का आपसी समन्वय से निर्वहन करने तथा सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और विकास उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का अवसर है। इसलिए आयोजन को सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाया जाए।

खबर संक्षेप

पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट

महासमुंद। ग्राम जोबा में एक युवक के साथ पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट करने वाले आरोपी के विरूद्ध तुमगांव थाने में अपराध दर्ज किया गया है। जोबा का लक्ष्मीनारायण राजपूत 20 अक्टूबर को अपने दोस्त मुकेश गायकवाड, हर्ष सोनवानी, केशव ध्रुव के साथ दो मोटर सायकलों पर रायपुर जा रहे थे। शाम 6 से 6.30 बजे के मध्य उसकी मोटर सायकल पंचर हो गई। जिस पर वह ग्राम अछोला स्कूल के सामने के ऑटो पार्ट्स में पंचर बनवा रहा था, तभी ग्राम अछोला के अज्जू और कामदेव आये और पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर अपने हाथ में रखे ब्लेड से अज्जू ने गले व पीठ में वार किया है तथा कामदेव ने मेरे बांए हाथ में वार कर चोट पहुंचाया। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(3) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

हथियार लेकर लोगों को डरा रहे व्यक्ति पर कार्रवाई

महासमुंद। धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने वाले आरोपी के विरूद्ध बागबाहरा थाने में अपराध दर्ज किया गया है। बागबाहरा पुलिस को अनवरपुर के रोहित निषाद ने बताया कि 21 अक्टूबर को वह गांव में रावण दहन कर वापस घर जा रहा था, तभी गांव के गौरा चौरा के पास शैलेंद्र ध्रुव पिता देव सिंह ध्रुव नशे की हालत में अपने हाथ में धारदार लोहे का हथियार लेकर रास्ते में आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा था। जिसे प्रार्थी के साथ चमन पटेल, उमेश साहू ने पकड़ा और उसका हथियार छीन कर डॉयल 112 में सूचना दी। इसके बाद उक्त वाहन के कर्मचारी ने मौके पर पहुंचे और आरोपी को थाने लेकर गए।

बैंक के सामने खड़ी स्कूटी से 58 हजार पार

महासमुंद। बैंक के सामने खड़ी स्कूटी से नगदी रकम चोरी के मामले में सिटी कोतवाली में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को किराना व्यवसायी धरमचंद जैन ने बताया कि 19 अक्टूबर को वह कलेक्शन के नगदी रकम 58130 रुपए को बैग में भरकर अपनी स्कूटी की डिक्की में रखा था, और अपने दुकान जा रहा था। दोपहर करीब 03.25 बजे एक्सिस बैंक बीटीआई रोड महासमुंद के सामने वह अपने स्कूटी को खड़ी कर बैंक अंदर गया था, करीब 03.35 बजे वापस आकर पासबुक रखने के लिए स्कूटी की डिक्की को खोला तो देखा कि डिक्की में रखा न बैग नहीं था।

नौ दिनों की आराधना के बाद शारदीय नवरात्रि का समापन

जसगीतों और जयकारों के बीच मां दुर्गा को दी भावभीनी विदाई

गरियाबंद। शक्ति की आराधना, छत्तीसगढ़ी लोकपरंपरा और अटूट आस्था के साथ मनाए गए शारदीय नवरात्रि पर्व का मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर समापन हुआ। नगर में मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ भक्तिमय वातावरण भावुक विदाई के क्षणों में बदल गया। सुबह से ही विभिन्न दुर्गा पंडालों से प्रतिमाओं की विसर्जन यात्राएं निकलनी शुरू हो गईं। जसगीतों की मधुर धुन, बाजे-गाजे और मां के जयकारों से नगर के प्रमुख मार्ग गुंजायमान रहे। नौ दिनों तक मां की आराधना में लीन श्रद्धालुओं ने नम आंखों से माता को विदाई दी और परिवार सहित पूरे प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलकामना के लिए प्रार्थना की।

विजयादशमी पर शहर में सुबह से ही धार्मिक उत्साह देखने को मिला।विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों के सदस्य और श्रद्धालु पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मां की प्रतिमाओं को विदाई देने निकले। जसगीतों की धुन पर झूमते भक्तों और गूंजते जयकारों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। नगर के चौक-चौराहों से होकर गुजरी विसर्जन यात्राओं में श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम दिखाई दिया। विसर्जन यात्रा के दौरान सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां दुर्गा के अंतिम दर्शन के लिए जुटे। लोगों ने हाथ जोड़कर माता का वंदन किया और पूजा-अर्चना कर सुख, शांति, समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। छिंद तालाब पहुंचकर प्रतिमाओं का सांकेतिक विसर्जन किया गया। इस दौरान नौ दिनों तक मां की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के मन में विदाई की भावुकता के साथ अगले वर्ष माता के पुनः आगमन की प्रतीक्षा भी नजर आई। शारदीय नवरात्रि के दौरान गरियाबंद नगर के बजरंग चौक, यादव पारा, सुभाष चौक, शिक्षक नगर, सिविल लाइन और संतोषी मंदिर गांधी मैदान सहित विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। नौ दिनों तक इन पंडालों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना, जसगीत, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा। सुबह से देर शाम तक पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही और माता के जयकारों से नगर का माहौल भक्तिमय बना रहा।



नौ दिनों तक पंडालों में गूंजते रहे जसगीत

पारंपरिक वेशभूषा, लोकसंस्कृति और भक्ति से सराबोर आयोजनों में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस तरह नवरात्रि ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी जीवंत बनाए रखा। विजयादशमी पर प्रतिमाओं की विदाई के साथ ही गरियाबंद में नौ दिनों से जारी उत्सवी माहौल का समापन हुआ। पंडालों में गूंजते जसगीतों और जयकारों की स्मृतियां श्रद्धालुओं के मन में रह गईं। मां दुर्गा को विदाई देते हुए भक्तों ने यही कामना की कि माता का आशीर्वाद सभी पर बना रहे, हर घर में सुख-शांति और समृद्धि आए तथा जीवन में खुशहाली बनी रहे। अब श्रद्धालुओं को अगले वर्ष मां दुर्गा के आगमन और शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व का इंतजार रहेगा।



पतोरा में धूमधाम से निकली मां दुर्गा की विसर्जन शोभायात्रा

छुईहा-बेलर। ग्राम पतोरा में शारदीय नवरात्र पर्व के समापन पर मां दुर्गा की विसर्जन शोभायात्रा धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। इस अवसर पर गांव में भक्तिमय माहौल रहा।

श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शोभायात्रा में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। विसर्जन के साथ ही नौ दिनों तक चले देवी आराधना पर्व का समापन हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पतोरा के सरपंच सूरज कुमार भारती, चंद्रप्रकाश साहू, कुमार दीवान, उपसरपंच चनूलाल दीवान, रोशन दीवान, कोमल साहू, प्रदीप साहू सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों के सहयोग और सहभागिता से धार्मिक आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पारागांव में धूमधाम से मना दुर्गा उत्सव, शिव शक्ति जस जागरण में झूमे श्रद्धालु

नवापारा-राजिम। ग्राम पंचायत पारागांव के कुटीपारा में नवजागरण दुर्गा उत्सव समिति द्वारा क्वांर नवरात्र पर्व के अवसर पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिव शक्ति जस जागरण में माता के भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पूरा आयोजन स्थल माता रानी के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में विधायक इंद्रकुमार साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्वांर नवरात्र का यह पर्व माता की भक्ति व शक्ति का पर्व है.इस पर्व पर हमें बहुत कुछ सीख मिलती है। उन्होंने रंगमंच निर्माण के लिए 5 लाख रूपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में नवापारा नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, नवापारा मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, मुकेश ढीढी, मुकुंद मेश्राम एल्डरमैन, सौरभ जैन ,सरपंच सुरेश भोले सोनकर, वार्ड पंच निर्मला साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। खास बात यह रहा कि नवापारा नगर के प्रसिद्ध गायक हरिशंकर साहनी एंड ग्रुप ने शिव शक्ति जस जागरण के माध्यम से माता की महिमा का गुणगान किया। भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में लीन रहे। कार्यक्रम के आयोजक नवजागरण दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य डॉ. विकास शर्मा, अप्पू सोनकर, भूषण बांसवार, अविनाश शर्मा एवं शशिकला ठाकुर सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत किया। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं माता के भक्त शामिल हुए। अप्पू सोनकर मंडल अध्यक्ष अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दुर्गा समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।



गरबा स्पर्धा में सखी सहेली सहयोग ग्रुप ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

नवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम आयोजित गरबा प्रतियोगिता में सखी सहेली सहयोग ग्रुप की महिलाओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। इस प्रतियोगिता में ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिलाओं की नृत्य शैली और वेशभूषा अत्यंत आकर्षक रही, जिसमें छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति की स्पष्ट झलक देखने को मिली। इस प्रस्तुति की ग्रामवासियों और उपस्थित दर्शकों द्वारा खूब सराहना की गई। कार्यक्रम



में भाग लेने वाली महिलाओं में अध्यक्ष छाया, सचिव सरस्वती, तथा रोहिणी, रूबी, दिनेश्वरी, अनुराधा, तीजम, चमेली, लता, प्रेमीन, श्यामा, ऊषा, बिंदु, प्रीतिबाला और ममता प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

कार्यक्रम के समापन पर ग्रुप की सचिव सरस्वती मानिकपुरी ,रोहनी साहू भैसातरा छुईहा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण छत्तीसगढ़िया परिवेश में उनके लिए गरबा करना एक चुनौती थी। सभी महिलाओं ने मिलकर ग्राम में गरबा करने का निर्णय लिया। उनकी नृत्य प्रस्तुति को देखकर ग्रामवासियों ने खूब सराहना की और वरिष्ठजनों का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। इसी प्रकार इस गरबा ग्रुप का सफर शुरू हुआ और अब अन्य गांवों से भी आमंत्रण मिलने लगे हैं।

करचाली में ध्रुव गोंड़ समाज ने मनाया नवा खाई पर्व

मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम करचाली में आदिवासी जनजाति ध्रुव गोंड़ समाज के 28 परिवारों ने 21 अक्टूबर को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सामूहिक नवा खाई पर्व एवं वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर बाजे-गाजे के साथ बूढ़ादेव पालो निकाला। नवनिर्मित बूढ़ादेव ठाना पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। समाजजनों ने नए अनाज का भोग अर्पित कर प्रसादी चढ़ाई तथा इष्टदेव बूढ़ादेव से सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

पूजा-अर्चना के पश्चात समाज के महिला-पुरुष, युवा-युवतियों सहित सभी सगा-समाज के लोगों ने एक-दूसरे को नवा खाई पर्व की शुभकामनाएं दीं। पारंपरिक मिलन समारोह में भाग लिया। समारोह के दौरान समाज के लोगों ने शिक्षा, संस्कार, संस्कृति, सभ्यता, व्यवसाय और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों



पर विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने, युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने और अपनी पारंपरिक संस्कृति व रीति-रिवाजों को संरक्षित रखने पर जोर दिया।

कोपरा में परंपरा व आस्था के संग हुआ रावण वध, रामलीला के जीवंत मंचन ने बांधा समां

कोपरा। परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम कोपरा में विजयादशमी के अवसर पर देखने को मिला। वर्षों से चली आ रही रामलीला मंचन की परंपरा को जीवंत रखते हुए सहाड़ा चौक रंगमंच पर बजरंग नाटक मंडली के कलाकारों ने अंगद-रावण संवाद का प्रभावशाली मंचन किया। इसके बाद भगवान श्रीराम के हाथों रावण वध की नाटकीय प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह में उत्साह भर दिया। रावण वध के साथ ही पूरा नगर जय श्रीराम के जयकारों, आतिशबाजी और उत्सव के उल्लास से गूंज उठा।



कोपरा में दशहरा पर्व मनाने की अपनी विशिष्ट परंपरा रही है। यहां रावण दहन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और लोक संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण उत्सव है। इसी परंपरा के तहत नगर में इस वर्ष भी दशहरा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिन में लोगों ने नवा खाई की परंपरा का निर्वहन किया, वहीं देर शाम सहाड़ा चौक स्थित रंगमंच पर रामलीला के मंचन के साथ विजयादशमी का उत्सव अपने चरम पर पहुंच गया।

अंगद-रावण संवाद ने दर्शकों को बांधे रखा

सहाड़ा चौक रंगमंच पर बजरंग नाटक मंडली के कलाकारों ने अंगद-रावण प्रसंग को जीवंत अंदाज में प्रस्तुत किया। संवाद, अभिनय और भावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से कलाकारों ने रामायण के प्रसंगों को दर्शकों के सामने साकार कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुति में जहां हास्य के प्रसंगों ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया, वहीं भावुक दृश्यों ने लोगों को भावविभोर भी किया। यही वजह रही कि नाटक के दौरान दर्शक अंत तक मंचन से जुड़े रहे।

अंगद-रावण संवाद के बाद रावण वध का मंचन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस प्रसंग के साथ ही उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक विजयादशमी का पर्व मनाया। रावण वध के पश्चात हुई आतिशबाजी ने उत्सव की रौनक और बढ़ा दी। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और श्रीराम सेना की आरती उतारी तथा जयकारों के साथ अपनी आस्था प्रकट की।

पीढ़ियों से जीवंत है रामलीला की परंपरा

कोपरा में बजरंग नाटक मंडली द्वारा रामलीला का मंचन वर्षों से किया जा रहा है। मंडली के कलाकार अपनी अभिनय कला और संवाद अदायगी से हर वर्ष दर्शकों का मन मोह लेते हैं। उनकी प्रस्तुतियों की विशेषता यह है कि वे रामायण के प्रसंगों को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उनमें निहित धार्मिक, सामाजिक और नैतिक संदेशों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हैं। विजयादशमी के अवसर पर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और श्रीराम सेना के साथ नगर भ्रमण की परंपरा भी निभाई गई। नगर में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती उतारकर उनका स्वागत किया। वहीं नगर के प्रसिद्ध मंदिरों में पूजा-अर्चना कर लोगों ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

आस्था और लोक संस्कृति का प्रतीक बना दशहरा

कोपरा का दशहरा इस बात का उदाहरण है कि आधुनिकता के दौर में भी स्थानीय सांस्कृतिक परंपराएं लोगों को अपनी जड़ों से जोड़े हुए हैं। रामलीला का मंचन, रावण वध, आतिशबाजी और भगवान श्रीराम की आरती जैसे आयोजन नगरवासियों को एक सूत्र में पिरोते हैं। वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी नई पीढ़ी को धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का संदेश दे रही है।

कम्प्यूटर में स्कैन करने के नाम पर करीब तीन लाख के गहने ले भागीं दो महिलाएं

महासमुंद। कंप्यूटर में गहनों को स्कैन करने के नाम पर ग्राम चंदरपुर की महिलाओं से दो अज्ञात महिलाओं ने करीब तीन लाख रुपए के जेवर लेकर चलीं गई। मामला कोमाखान थाना क्षेत्र का है। रिपोर्ट पर आरोपी महिलाओं के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। कोमाखान पुलिस ने बताया कि ग्राम चंदरपुर की लीना साहू पति परमेश्वर साहू (24 साल) ने आवेदन दिया है दिनांक 14.10.2026 को एक अज्ञात महिला उसके घर सुबह लगभग 9.30 बजे आई। उस समय घर पर वह (प्रार्थिया), उसकी मेरी सास सुकवारो बाई व देवरानी पूनम साहू थी। उक्त अज्ञात महिला ने बताया कि वह टिन के पुराने व टूटे फूटे पुराने बर्तन लेती है और नये बर्तन बनाकर देती है और मैकिंग चार्ज के रूप में 50 रू लेती है। जिसके चलते उन्होंने एक पुराना कुकर, टिन के तीन बॉटल, दिये।

बोंड़की में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया नवाखाई पर्व

छुईहा-बेलर। ग्राम बोंड़की में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज द्वारा नवाखाई पर्व पारंपरिक आस्था, रीति-रिवाज और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समाज के लोगों ने अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का निर्वहन करते हुए सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया। नवाखाई पर्व आदिवासी समाज की कृषि संस्कृति, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामूहिक सद्भाव का प्रतीक है। नई फसल के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अन्न के महत्व को स्वीकार करते हुए परिवार, समाज और प्रकृति की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की जाती है।

समाज के लोगों ने पारंपरिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों का



पालन करते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने तथा उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। पर्व के आयोजन से समाज के लोगों में आपसी प्रेम, सहयोग, भाईचारे और एकजुटता की भावना और मजबूत हुई। समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों की सहभागिता ने आयोजन को विशेष बना दिया। समाज के लोगों ने कहा कि नवाखाई जैसे पारंपरिक पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। ऐसे आयोजन न केवल हमारी प्राचीन परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़ने का माध्यम भी बनते हैं। इन पर्वों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, आपसी सद्भाव और सामूहिक विकास की भावना को प्रोत्साहन मिलता है।

इस अवसर पर समाज प्रमुख कन्हैया लाल ध्रुव सहित जोहत ध्रुव, तनगू राम ध्रुव, होरीलाल ध्रुव, रामानंद ध्रुव, आदित्य ध्रुव, भानू ध्रुव, रामसाय ध्रुव, डोमन, येन सिंह, खेलूराम, पुरुषोत्तम, डायल, दाऊ लाल, दिलीप, टोमन, खेलावन ध्रुव, रामखेलन, रीजन, रिजलाल, कुमार, लिकेश, बुधराम, टाकेश, अवध राम ध्रुव, भाऊ राम, जोहन, जोधू, लखन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।अंत में सभी ने समाज और ग्राम की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं निरंतर उन्नति की कामना की।

लाखों खर्च के बाद भी बिन पानी शो-पीस बने शौचालय

मैनपुर। विकासखंड क्षेत्र में शासन की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत मिशन की धरातली हकीकत उजागर हुई है। क्षेत्र की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में चार से पांच लाख रुपये की लागत से शौचालयों का निर्माण तो कराया गया है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में ये शौचालय केवल शो-पीस बनकर रह गए हैं। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर सहित विकासखण्ड क्षेत्र के अधिकांश ग्राम पंचायतो में शौचालय खण्डहर में तब्दिल हो गया है। नेशनल हाईवे के किनारे तौरेंगा, बुड़गेलटप्पा, कोकड़ी और कई पंचायतो में शौचालय के सामने ताला लगा हुआ है। इसके संबंध में ग्रामीण बताते है जब से शौचालय बना है तब से इसका उपयोग ही नही हुआ है और तो और यहां पानी तथा अन्य सुविधाए नहीं है। कई बार ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक सुविधाए उपलब्ध नहीं हो पाई। जिसके कारण चाह कर भी ग्रामीण शौचालय का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

- स्वच्छ भारत मिशन पर उठे सवाल
- ग्रामीणों ने कलेक्टर से की कार्रवाई की मांग



पानी और मूलभूत सुविधाओं का अकाल - लाखों रुपये की लागत से निर्माण किए गए शौचालय में पानी की सुविधा नहीं है। दूसरी तरफ सरकार लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर भी इन शौचालयों में पानी और नलों की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। इसके अलावा कई स्थानों पर दरवाजों और सफाई की व्यवस्था भी ठप्प है। मूलभूत सुविधाएं न होने के कारण ग्रामीण इच्छा होने के बावजूद इन शौचालयों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं और आज भी खुले में शौच जाने को मजबूर हैं।

जांच और कार्रवाई की मांग - स्थानीय ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या को लेकर जनपद पंचायत के अधिकारियों तथा गरियाबंद जिला कलेक्टर का ध्यान आकर्षित किया है। ग्रामीणों ने ज्ञापन मांग पत्र सौंपकर मांग की है कि निर्मित शौचालयों में तत्काल पानी और अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। योजना की राशि का सही उपयोग न करने वाले संबंधित विभाग और दोषी जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इन शौचालयों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो शासन की यह जनहितकारी योजना कागजों और फाइलों तक ही सीमित रह जाएगी।

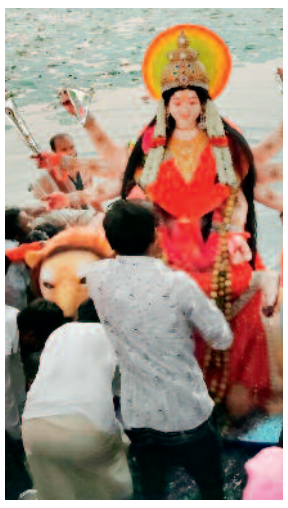
खबर संक्षेप

जरगांव में नम आंखों के साथ मां दुर्गा को किया विदा



पाटसिवनी(पिपरहट्ठा) विजयदशमी के मौके पर नंदी चौक जरगांव में भक्तों ने नम आंखों के साथ मां आदि शक्ति माँ दुर्गा को विदा किया। शारदीय नवरात्र के नौ दिनों के अनुष्ठान के बाद बुधवार को जब माता के विदाई की बेला आई, तो मां से दूर होने का गम हर भक्तों के अश्रुपूरित आंखें स्पष्ट बता रही थी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने काफी मायूसी के साथ माता को विदा किया। वहीं विजयादशमी उत्सव को लेकर पूरा गांव मां की अंतिम विदाई के दौरान उमड़ पड़ा। अश्रुपूरित भक्तों की आंखे अंतिम विदाई के दौरान माता से सुख-समृद्धि और निरोग रहने की कामना कर रही थी।

भक्ति व उल्लास के साथ मां दुर्गा की विसर्जन यात्रा में उमड़ा जनसैलाब



राजिम। बकली में महानवमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। नौ दिनों तक चले पूजा-पाठ, हवन और धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। सुबह से ही मंदिरों और दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। विशेष पूजा-अर्चना के बाद माता रानी की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालु झूमते-गाते नजर आए। विसर्जन यात्रा के दौरान जसगीत, मांदर की थाप और डीजे की धुनों पर भक्तों ने उत्साह के साथ भाग लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। माता रानी को विदाई देते समय महिलाओं ने आरती उतारी और चुनरी अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ विसर्जन यात्रा को संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। माता दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के पश्चात विभिन्न स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

आस्था और सामाजिक एकता का संदेश : नवरात्र के नौ दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों के समापन पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से आशीर्वाद लेकर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे अंचल में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं का कहना था कि नवरात्र का पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, सामाजिक एकता और आपसी सदभाव की भावना को भी मजबूत करता है।

बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का पर्व मना

जय श्रीराम के जयघोष से गूंजता रहा हरिहर हाईस्कूल का विशाल मैदान और 51 फीट रावण का हुआ दहन





नवापारा-राजिम। नवापारा का शाही दशहरा शहर के सबसे बड़े मैदान शासकीय हरिहर हाईस्कूल के विशाल मैदान में मनाया गया। विजयादशमी दशहरा पर्व के अवसर पर यह मैदान हर तरफ से खचाखच भरा हुआ था। मैदान का हर कोना बोलो राजा रामचंद्र की जय और जय श्रीराम के जयघोष से गूंजता रहा। करीब 40 से 50 हजार लोगों की भीड़ रही। हर तरफ उमंग और खुशी का माहोल नजर आता है। बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक विजयादशमी के पर्व के अवसर पर विधायक इंद्रकुमार साहू, पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज और नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू विशेष रूप से शामिल हुए। हाईस्कूल के इस मैदान में जैसे ही 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन हुआ, पूरा मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। आसमान में गूंजती आतिशबाजी और आग की लपटों में समाते रावण के विशाल पुतले ने हजारों लोगों को रोमांचित कर दिया। रामलीला के जीवंत मंचन से लेकर भगवान श्रीराम की महाआरती और भव्य आतिशबाजी तक, हर दृश्य ने पर्व की भव्यता में चार चांद लगा दिए।

- रामलीला का हुआ जीवंत मंचन, भगवान श्रीराम की महाआरती



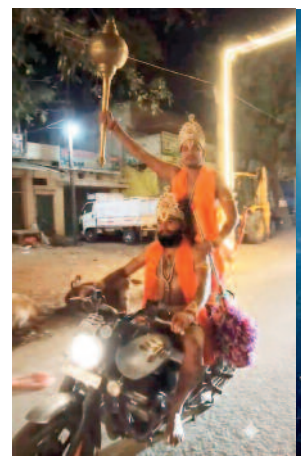
हाईस्कूल मैदान में विजयादशमी पर आयोजित शाही दशहरा उत्सव को लेकर सुबह से ही नगरवासियों में उत्साह रहा। शाम होते ही मैदान में लोगों की भीड़ जुटने लगी। रावण दहन से पहले खर्रा के रामलीला मंडली के कलाकारों ने आकर्षक मंचन किया। भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध के प्रसंग ने दर्शकों को बांधे रखा। इसके बाद भगवान श्रीराम की महाआरती की गई। रात करीब 9.30 बजे रावण दहन किया गया। जैसे ही रावण के पुतले पर अग्निबाण चलाया गया, विशाल पुतला आग की लपटों में घिर गया। इसके साथ ही रंग-बिरंगी आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा। रावण दहन का नजारा देखने के लिए बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पुतले को जलते देख लोगों ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के उदघोष किए।

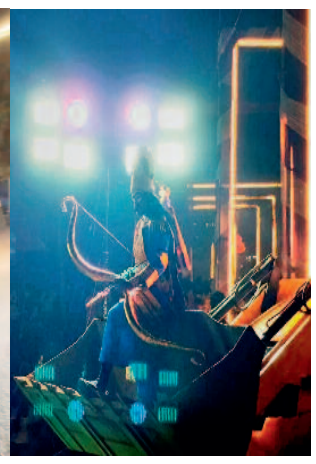
सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश

दशहरा उत्सव में अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज और नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी साहू ने नगरवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। अतिथियों ने कहा कि कि अहंकार और बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और अच्छाई की ही होती है।

दशहरा उत्सव समिति के प्रयास की हुई सराहना

शाही दशहरा उत्सव को सफल बनाने के लिए दशहरा उत्सव समिति द्वारा व्यापक व्यवस्था किया गया था। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारी धनराज मध्यानी, प्रसन्न शर्मा, रमेश तिवारी, अनिल जगवानी, होरीलाल साहू, सरदार जीत सिंग, लोकनाथ सोनकर, सौरभ शर्मा, संजय साहू, नागेंद्र वर्मा, पार्षद रामरतन निषाद, रामा यादव, मुकुंद मेश्राम, उमेश यादव, मंगराज सोनकर, राजा चावला, सौरभ सोनी, सौरभ सिंटू जैन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन नगर पालिका परिषद के पूर्व सभापति प्रसन्न शर्मा ने किया। आयोजन समिति की ओर से श्री शर्मा ने अतिथियो एवं नगर के सभी नागरिको के प्रति कार्यक्रम को सफल बनाने में हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य रहे स्व रतिराम साहू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।





महंगी कार में रावण, जेसीबी में मेघनाथ और बाइक पर सवार नजर आई वानर सेना

मैनपुर। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा नगर में नवरात्र पर्व के बाद विजय दशमी को रात 8 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम, सरपंच हनिता नायक, जनपद सदस्य कुमारी बाई पटेल, थानुराम पटेल, किशन नागेश, बाबूलाल साहू, नरेश सिन्हा, तिरनाथ नायक, दिलवर पटेल, एवं वरिष्ठजनों द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया। लम्बे समय बाद नगर के युवाओं ने स्वयं रामलीला में किरदार निभाया। रामलीला को देखने के लिए नगर सहित आसपास ग्रामों से हजारो की संख्या में दर्शक शामिल हुए। कार्यक्रम में परंपरा और आधुनिकता के एक अनोखे संगम देखने को मिला, इस बार मंचन में कुछ हटकर किरदारों की हाई-टेक और फिल्मी अंदाज में एंट्री ने हजारों की संख्या में मौजूद दर्शकों में खासा उत्साह भर दिया। रात 11:30 बजे हुई भारी आतिशबाजी के बीच भगवान श्रीराम ने अग्निबाण छोड़कर रावण के विशाल पुतला दहन को दहन किया तो चारो तरफ जय जय श्री राम के जयकारे गूंज उठे। उपस्थित लोगो ने एक दूसरे को रैनी सोन पत्ता भेटकर विजय दशमी पर्व की बधाई दी।

हाई-टेक अंदाज में नजर आए पात्रगण

मैनपुर नगर में इस बार की रामलीला का मुख्य आकर्षण कलाकारों की आधुनिक सवारी रही मंच पर प्रवेश करते ही दर्शकों की निगाहें चौक गईं लंकापति रावण ने किसी पारंपरिक रथ के बजाय एक बेहद महंगी और शानदार कार से मंच में प्रवेश किया तो वहीं दूसरी ओर रावण के वीर पुत्र मेघनाथ ने मंच पर एंट्री के लिए जेसीबी मशीन का अनोखा इस्तेमाल किया, जिसे देखकर पब्लिक ने जमकर तालियों से स्वागत किया। वानर सेना ने घोड़ों या पैदल के बजाय तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों पर सवार होकर धमाकेदार एंट्री ली। इस दौरान रामलीला में बाली सुग्रीव युद्ध , अक्षय कुमार वध, रावण अंगद संवाद, रावण हनुमान संवाद, लक्ष्मण को शक्तिबाण, कुम्भकरण वध, लक्ष्मण और मेघनाथ युद्ध के बाद राम रावण युद्ध का मंचन किया गया।

भगवान राजीवलोचन की पालकी के साथ निकली विजयादशमी की शोभायात्रा





राजिम। धर्म, आस्था और पौराणिक परंपराओं की नगरी राजिम में विजयादशमी का पर्व विशिष्ट धार्मिक परंपरा और उत्साह के साथ मनाया गया। कुंभ नगरी के रावणभाठा मैदान में आयोजित पारंपरिक दशहरा उत्सव में भगवान श्री राजीव लोचन के प्रतिनिधि स्वरूप भगवान बालाजी की पालकी निकाली गई। बाजे-गाजे और जयकारों के बीच निकली शोभायात्रा के दशहरा मैदान पहुंचने पर अंगद-रावण संवाद का पारंपरिक मंचन हुआ। इसके पश्चात मंदिर के सर्वराकार द्वारा रावण का प्रतीकात्मक वध संपन्न कराया गया। भव्य आतिशबाजी के साथ उत्सव का समापन हुआ। इस दौरान पूरा मैदान श्रद्धालुओं की उपस्थिति और जय श्रीराम के उद्घोष से भक्तिमय बना रहा। राजिम का दशहरा प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखता है। यहां दशहरा केवल रावण के पुतले के दहन तक सीमित नहीं है, बल्कि भगवान श्री राजीव लोचन की आराधना और उनसे जुड़ी सदियों पुरानी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप रावण का प्रतीकात्मक वध किया जाता है। इस परंपरा में भगवान के प्रतिनिधि के रूप में भगवान बालाजी पालकी पर विराजमान होकर मंदिर से दशहरा मैदान तक पहुंचते हैं। मंदिर की धार्मिक मयार्दा, पुजारी परंपरा और नगरवासियों की सहभागिता इस आयोजन को विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

पालकी यात्रा के साथ दशहरा मैदान पहुंचे भगवान बालाजी : विजयादशमी की संध्या भगवान बालाजी की पालकी को विधि-विधान के साथ मंदिर परिसर से निकाला गया। मंदिर के सर्वराकार, पुजारी, नगर के गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु बाजे-गाजे के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। परंपरागत मार्ग से होते हुए पालकी दक्षिण दिशा स्थित रावणभाठा मैदान पहुंची। दशहरा मैदान में परंपरागत रूप से अंगद-रावण संवाद का मंचन किया गया। रामायण के प्रसंग पर आधारित इस संवाद में अंगद और रावण के बीच हुए वाक्युद्ध के माध्यम से अहंकार, अधर्म और अन्याय के अंत का संदेश दिया गया। मंदिर के सर्वराकार द्वारा परंपरानुसार रावण का प्रतीकात्मक वध किया गया।

धार्मिक विरासत को सहेज रहा राजिम का दशहरा : राजिम का दशहरा उत्सव भगवान श्री राजीव लोचन की धार्मिक गरिमा और नगर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।आयोजन के लिए श्री राजीव लोचन मंदिर ट्रस्ट कमेटी, पुजारी समिति और दशहरा उत्सव समिति ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाएं संभालीं। नगर पालिका परिषद द्वारा दशहरा मैदान और पहुंच मार्ग की सफाई सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिले।

विधायक रोहित साहू सहित जनप्रतिनिधि हुए शामिल

दशहरा उत्सव में क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ नगर पालिका परिषद राजिम के अध्यक्ष महेश यादव, पार्षदगण, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। सभी ने विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए धर्म, सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं की सहभागिता से आयोजन में उत्सवी माहौल बना रहा। विधायक रोहित साहू ने इस अवसर पर दशहरा पर्व की बधाई एवं शुभकामना दी।

पिता-पुत्र की संगीत जोड़ी ने बांधा समां

वनांचल बरबाहरा में आज भी जीवंत है रामलीला की परंपरा, लोककला और संस्कृति को सहेज रही नई पीढ़ी





गरियाबंद। आधुनिकता के दौर में जहां शहरों में डीजे का शोर पारंपरिक लोककलाओं पर भारी पड़ता जा रहा है, वहीं गरियाबंद जिले के वनांचल में आज भी लोकसंस्कृति और परंपराओं की जड़ें गहरी हैं। ग्राम बरबाहरा में इस वर्ष भी दशहरे के अवसर पर रामलीला का मंचन किया गया। यहां रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पुरखों से मिली सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और समाज को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बनी हुई है। पूरी रात चले रामलीला मंचन और मधुर संगीत का आसपास के गांवों से पहुंचे महिला-पुरुषों ने आनंद लिया।

वनांचल के ग्राम बरबाहरा सहित मैनपुर, कसेरू, कोसमी, खरहरी, संबलपुर और झालखम्हार जैसे गांवों में दशहरे की परंपराएं आज भी पूरे उत्साह के साथ निभाई जाती हैं। दशहरे की शाम शस्त्र पूजन के बाद ग्रामीण एक-दूसरे से गले मिलकर असत्य पर सत्य की विजय के पर्व की बधाई देते हैं। इन परंपराओं के माध्यम से ग्रामीणों के बीच आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता की भावना मजबूत होती है। इस अवसर पर ग्राम पटेल गणेश नागेश, गणेश ठाकुर, मोतीलाल, सागर ठाकुर सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुरखों की विरासत को सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी : ग्राम बरबाहरा के रमेश ठाकुर और पंच राम साहू बताते हैं कि हमारे पुरखों ने हमें लोककला, संस्कृति और परंपराओं की अमूल्य विरासत सौंपी है। इसे सहेजकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। गांव में आज भी दशहरे की शाम सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद रेनी-मारनी की परंपरा निभाई जाती है। इसके पत्तों के आदान-प्रदान के माध्यम से मित्रता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया जाता है।

आधुनिकता के बीच नई पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने की पहल : धरम सिंह ठाकुर का कहना है कि आधुनिक युग में बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन पारंपरिक लोककला और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने को लेकर कभी-कभी असमंजस की स्थिति बन जाती है। इसके बावजूद गांव के लोग आपसी सहयोग से बच्चों को इन परंपराओं से जोड़ने और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका मानना है कि परंपराएं केवल अतीत की याद नहीं, बल्कि समाज को एकजुट रखने वाली मजबूत कड़ी हैं।

पिता-पुत्र की संगीत जोड़ी रही आकर्षण का केंद्र

रामलीला के दौरान पिता-पुत्र की संगीत जोड़ी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मंच पर धरम सिंह ठाकुर हारमोनियम पर अपनी मधुर धुनों से समां बांध रहे थे। वहीं उनके लगभग 65 वर्षीय पिता खाम सिंह ठाकुर पूरे उत्साह और उमंग के साथ तबले पर थाप दे रहे थे। सामाजिक कार्यकर्ता पंच राम साहू ने भी सुर में सुर मिलाकर संगीत की मधुरता को और बढ़ा दिया।

हीराबतर में परंपरा और उल्लास के साथ मना विजयादशमी पर्व

रसेला। असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व वनांचल के ग्राम हीराबतर में बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा।

ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से तैयार रावण के विशाल पुतले का दहन देखने के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। राम-रावण दल की आकर्षक झांकियां, पारंपरिक पूजा-अर्चना, जीवंत रामलीला और रावण दहन का भव्य दृश्य पूरे आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहा। वहीं, रावण दहन के पश्चात रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। ग्राम हीराबतर में विजयादशमी का पर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि ग्रामीण एकता, आपसी सहयोग और वर्षों से चली आ रही परंपरा का प्रतीक है। यहां प्रत्येक वर्ष दशहरा के अवसर पर समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से रावण का विशाल पुतला तैयार किया जाता है। पारंपरिक रीति के अनुसार ग्राम के बैगा, पुजारी एवं ग्राम प्रमुखों को बाजे-गाजे के साथ रावण भाठा मैदान पहुंचने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस दौरान पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज और ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखते ही बनती है।

राम-रावण की भव्य झांकियां और दो घंटे तक रामलीला

ग्राम के नवयुवक मंडल द्वारा दशहरा पर्व को आकर्षक बनाने के लिए राम और रावण दल की भव्य झांकियों की विशेष तैयारी की जाती है। साज-सज्जा और पारंपरिक वेशभूषा से सुसज्जित दोनों दल बाजे-गाजे के साथ रावण भाठा मैदान पहुंचते हैं। इसके बाद रावण एवं कचना धुर्वा स्थल पर विधि-विधानपूर्वक रैनी पूजा संपन्न की जाती है।

नेमुगोलू बैगा की काली-कंकाली, खप्परवाली की प्रस्तुति ने मचाई धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा-बेलर



शारदीय नवरात्र पर्व के समापन पर ग्राम बेलर में माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन समारोह आयोजित शोभायात्रा किया। इस दौरान विशेष आमंत्रण पर रामपुर की नेमीचंद बैगा साथ पहुंचे बेमचा, महासमुंद के गोलू बाबा बैगा और उनके 41 शिष्यों की सांग-बाना प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। काली पोशाक, सांग-बाना और काली-कंकाली, खप्परवाली महाकाली के गीतों पर कलाकारों की ऊर्जावान प्रस्तुति देखकर दर्शक रोमांचित व रोगटें खड़े हो उठे।

रामपुर के नेमूचंद बैगा के नाम से चर्चित परंपरा से जुड़े गोलू बाबा बैगा और उनके शिष्यों ने जब बजरंग चौक में सांग-बाना के साथ नृत्य और प्रदर्शन शुरू किया, तो माहौल भक्तिमय हो गया। कलाकारों की उछल-कूद और गीतों की गूंज के बीच दर्शकों में उत्साह देखते ही बन रहा था। विशाल बजरंग चौक के चारों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। सांग-बाना की पारंपरिक प्रस्तुति ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और कई दर्शक रोमांचित नजर आए। कार्यक्रम में जनपद सदस्य टायल साहू,सरपंच प्रतिनिधि लेखराम रात्रे, ग्राम अध्यक्ष खोमन साहू, उपसरपंच शंकर साहू, हाई स्कूल अध्यक्ष सालिक साहू, जिला साहू समाज अध्यक्ष प्रवीण साहू, खेमराज साहू, पिंटू साहू, हितेश ध्रुव, संजय विश्वकर्मा, टीकम साहू, रमणीक साहू, खेदू साहू, गिरवर साहू, भजन, मानसिंह रावत, मलेशू ध्रुव, भागवत सिन्हा, करणदास, विष्णु साहू, संदीप साहू, नीलकंठ, देवेंद्र ध्रुव, तुलाराम, राधेश्याम साहू, पंडा चोवा राम साहू, जुगेश यादव, भीम साहू, की विशेष सहयोग एंव उपस्थिति थे।



खबर संक्षेप

बाजार में पहुंचा सीताफल



नवापारा-राजिम। मौसम बदला, बाजार में सीताफल की दस्तक हुई है। इसके साथ ही लोगों की जुबान पर इसके लाजवाब स्वाद की चर्चा शुरू हो गई। अंचल के सबसे बड़ा नवापारा के बाजार में फिलहाल सीताफल 150 रुपये किलो बिक रहा है, लेकिन इसके शौकीनों के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आ रही। कई लोगों के लिए यह केवल फल नहीं, बल्कि मौसम के साथ लौटने वाली स्वाद की एक खास सौगात है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, इसके स्वाद के मुरीदों की कमी नहीं है।

मरार पटेल समाज की बैठक 25 को

नर्रा। मरार पटेल समाज जिला कार्यकारिणी की बैठक 25 अक्टूबर रविवार को आहूत की गई है। यह बैठक जिलाध्यक्ष मरार पटेल के आदेशानुसार शाकंभरी भवन सरायपाली (फूलझर राज) में मध्याह्न 12 बजे आयोजित होगी। जिला महासचिव द्वारा जारी सूचना के अनुसार बैठक में समाज के विकास एवं उत्थान से जुड़े कई अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। जिला सामाजिक भवन बाउंड्री वॉल निर्माण पर विस्तृत चर्चा एवं योजना, जिलाध्यक्ष की अनुमति से अन्य सामाजिक विकास व जनकल्याणकारी विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

च्वाइस सेंटर संचालकों के बैंक खातों में जमा कराई साइबर फ्रॉड की राशि

महासमुंद। साइबर फ्रॉड की रकम को च्वाइस सेंटर संचालकों के खाते में जमा कराने के मामले में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध सिटी कोतवाली में जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। रायपुर रोड एचडीएफसी बैंक के पास पूनम च्वाइस सेंटर के संचालक मोहनलाल देवांगन पिता प्रेमशंकर देवांगन (42 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि 15.09.2026 को दोपहर करीबन 03 से 03:30 बजे के मध्य ब्लू कलर के एक्टिवा वाहन क्रमांक सीजी 04 एमएच 4061 में सवार एक व्यक्ति उसके सेंटर में आया और कहा आपके क्यूआर कोड में पैसा डलवाउंगा, जिसके बदले में कैश अमाउंट दे देना। इसके बाद उक्त व्यक्ति ने क्यूआर कोड का फोटो अपने मोबाइल में लेकर किसी अन्य व्यक्ति को दिया, उसके बाद उक्त व्यक्ति के द्वारा मेरे खाते में कुल 11,700 रू व 30,000 रू कुल 41700 रुपए ट्रांसफर किए और नगद रकम लेकर चला गया। दूसरे दिन 16.09.2026 को च्वाइस सेंटर संचालक के बैंक खाता में होल्ड लग गया, जब उसने बैंक जाकर पता किया तो जानकारी हुई कि उसके दोनों बैंक अकाउंट में पेनकार्ड नंबर लिंक होने से दोनों खातों को होल्ड लग गया है। उसके कुछ दिन बाद प्रार्थी को पता चला कि महासमुंद जिले के बिरकोनी निवासी त्रिलोक कुमार दीवान, तुमगांव निवासी रामसिंग सेवई, खैरझिटी निवासी चेतन कुमार गायकवाड के साथ भी उसी व्यक्ति के द्वारा धोखाधड़ी किया गया है।

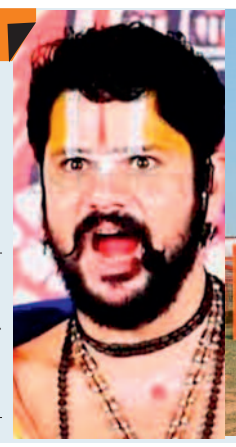
पिपरौद में आज से शिव महापुराण कथा, युवराज करेंगे महिमा का बखान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

नवापारा-रायपुर मार्ग पर सड़क से लगे हुए ग्राम पिपरौद में भगवान भोलेनाथ की महिमा, शिव भक्ति और आध्यात्मिक चेतना की अविरल धारा बहने जा रही है। गुरुवार से सात दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। कथा वाचक युवराज पांडे ओजस्वी वाणी और संगीतमय शैली में भगवान शिव की महिमा, उनके दिव्य स्वरूप और शिव महापुराण में वर्णित अलौकिक प्रसंगों का रसपान कराएंगे। सामाजिक कार्यकर्ता डिगेश्वरी- कुमार साहू के आयोजन में होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल है। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। 22 अक्टूबर को कलश यात्रा, पिट पूजा और शिव महापुराण की आरती के साथ कथा का शुभारंभ होगा।

खास बातें

- आकर्षण का केंद्र रहेगा पचरा भजन, साढ़े 6 एकड़ के मैदान में होगी
- सात दिवसीय आयोजन का कलश यात्रा के साथ होगा शुभारंभ





दर्जना गांवों के श्रद्धालु करेंगे श्रवण

कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की गई हैं, ताकि दूर-दराज से पहुंचने वाले भक्तजन सहजता से भगवान शिव की महिमा का श्रवण कर सकें। आयोजक के अनुसार, पिपरौद सहित आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के कथा में शामिल होने की संभावना है। सड़क किनारे के गांव पिपरौद में कथा का आयोजन होने से नेशनल हाइवे 130 पर ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न हो सकती है क्योंकि कथा सुनने वाले धर्मप्रेमी श्रद्धालुजन बड़ी संख्या में चारपहिया, दोपहिया वाहनों में यहां पहुंचेंगे और सड़क किनारे ही गाड़ी खड़ी होगी। लिहाजा पुलिस को सप्ताह भर तक अलर्ट मोड में रहना पड़ेगा।

सात दिनों तक होंगे शिव महिमा के विविध प्रसंग : कथा के दूसरे दिन, 23 अक्टूबर शुक्रवार को शिव पूजन विधि, भस्मधारण, रुद्राक्ष की महिमा, ब्रह्मा-नारद संवाद और नारद मोह के प्रसंग सुनाए जाएंगे। 24 अक्टूबर शनिवार को पार्थिव पूजन विधि, दक्ष की तपस्या, शिव वरदान और माता सती के जन्म से जुड़े प्रसंगों का वर्णन होगा। 25 अक्टूबर रविवार को शिव विवाह, सती देह त्याग, सती मोह, राम कथा, गंगा उत्पत्ति, माता पार्वती के जन्म और उनकी कठोर तपस्या की कथा सुनाई जाएगी। 26 अक्टूबर सोमवार को कामदेव चरित्र, शिव विवाह से जुड़े प्रसंगों, अंधकासुर की कथा तथा श्रीकृष्ण और बाणासुर से संबंधित प्रसंगों का वर्णन प्रस्तावित है। 27 अक्टूबर मंगलवार को भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों और शिव महापुराण के सार पर प्रकाश डाला जाएगा। वहीं, 28 अक्टूबर बुधवार को गीता दान, कपिला तर्पण और पूर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा।

सीमावर्ती इलाकों पर बनाए जाएंगे 16 से अधिक अस्थाई चेकपोस्ट

खरीदी से पहले ही सक्रिय हुए तस्कर ओडिशा का धान खपाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवभोग

धान खरीदी शुरू होने में अभी 20 दिन से अधिक का समय बाकी है, लेकिन सीमावर्ती इलाकों में धान तस्कर अभी से सक्रिय हो गए हैं। प्रशासन के चेकपोस्ट लगाने से पहले ही ओडिशा का धान क्षेत्र में खपाने की कोशिश शुरू हो गई है। मंगलवार देर रात तहसीलदार सुशील कुमार भोई और उनकी टीम ने पीटापारा से नागलदेही के रास्ते अवैध रूप से धान का परिवहन कर रही पिकअप को पकड़ लिया। वाहन में 16 क्विंटल धान लदा था। मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया गया है।

- तहसीलदार ने 16 क्विंटल अवैध धान से लदा पिकअप पकड़ा

तहसीलदार सुशील कुमार भोई ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ओडिशा की ओर से अवैध धान परिवहन की सूचना मिल रही थी। इसके बाद टीम लगातार सीमावर्ती इलाकों में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान मंगलवार देर रात पिकअप क्रमांक ओडी 08 ए 3798 को पकड़ा गया। वाहन में 16 क्विंटल धान लदा था।

ऐसे खपाया जाता है ओडिशा का धान-

क्षेत्र में ओडिशा के धान को खपाने के लिए कथित तौर पर ऐसे स्थानीय किसानों का इस्तेमाल किया जाता है, जिन्होंने अपने खेतों में धान की फसल नहीं लगाई है। ये किसान तस्करों और बिचौलियों से कम कीमत पर धान खरीदते हैं। इसके बाद खरीदी शुरू होने पर इसी धान को अपनी उपज बताकर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीदी केंद्रों में बेचने की कोशिश की जाती है। इस तरह बिचौलियों और तस्करों को अवैध धान से मोटा मुनाफा कमाने का मौका मिलता है।



खरीदी शुरू होने से पहले ठिकानों पर जमा कर रहे धान

देवभोग ब्लॉक में स्थानीय बिचौलियों के जरिए पड़ोसी राज्य ओडिशा का धान बड़े पैमाने पर खपाए जाने की आशंका रहती है। इस अवैध कारोबार में तस्कर मोटा मुनाफा कमाते हैं। धान खरीदी शुरू होने में अभी 20 दिन से अधिक का समय होने के कारण तस्कर प्रशासन की सख्ती बढ़ने से पहले ही धान अपने ठिकानों पर जमा करने में जुटे हैं। इसके बाद खरीदी शुरू होने पर स्थानीय किसानों के माध्यम से इस धान को क्षेत्र की मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेचने की कोशिश की जाती है।

अस्थाई चेकपोस्ट से धान परिवहन पर रखी जाएगी नजर

अवैध धान परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन सीमावर्ती इलाकों में अस्थाई चेकपोस्ट बनाने की तैयारी कर रहा है। तहसीलदार सुशील कुमार भोई ने बताया कि इसके लिए प्रशासनिक अमला जुटा हुआ है। कैटपदर, झाखरपारा, साहसखोल, पीटापारा और नागलदेही समेत 16 से अधिक स्थानों पर अस्थाई चेकपोस्ट बनाए जाएंगे। इन चेकपोस्ट के जरिए सीमावर्ती रास्तों से होने वाले अवैध धान परिवहन पर निगरानी रखी जाएगी।

सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करना हम सबकी जिम्मेदारी : पुलिस



छुरा। थाना क्षेत्र के युवाओं के साथ बैठक आयोजित कर पुलिस मित्र बनाने तथा जनहितकारी योजनाओं के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में युवाओं को पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर समाज में जागरूकता फैलाने, अपराधों की रोकथाम में सहयोग करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, गरियाबंद के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी सुश्री गरिमा दादर के दिशा-निर्देश में छुरा थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर गंगवाल द्वारा 21 अक्टूबर को बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायलों की सहायता करने के महत्व पर विशेष रूप से चर्चा की गई। थाना प्रभारी ने राहवीर योजना की जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना किसी के साथ भी, कभी भी हो सकती है। ऐसे समय में घबराने के बजाय घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे आना चाहिए। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है।

बनें नेक राहवीर, बचाएं अनमोल जीवन

बैठक में युवाओं से अपील की गई कि वे सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने के लिए आगे आएं। मदद करने वाले नेक राहवीर को अनावश्यक पुलिस पूछताछ एवं कानूनी परेशानी से सुरक्षा देने के प्रावधानों के प्रति भी जागरूक किया गया। आपातकालीन स्थिति में नागरिक राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा 112, एंबुलेंस सेवा 108 तथा पुलिस सहायता के लिए उपलब्ध आपातकालीन सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। पुलिस प्रशासन ने संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। समय पर की गई छोटी-सी मदद किसी व्यक्ति को नया जीवन दे सकती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को संवेदनशीलता, जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ आगे आना चाहिए।

चौकसील पहाड़ी के ऊपर चन्द्रमा की रोशनी में शरद पुन्नी मेला लगेगा 25 को

मैनपुर। गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र के उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के घने जंगल के अंदर देवगढ़धाम प्रमुख धार्मिक एवं मनोरम पहाडी चौकसील में हर वर्ष दशहरा के शरद पूर्णिमा पर लगने वाला मेला को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस पहाड़ी के उपर शरद पूर्णिमा की रात बिजली के रौशनी के बगैर मेला में हजारो लोग शामिल होते है। 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा पर मेले का आयोजन किया जायेगा। देवगढ़धाम बारहपाली समिति चौकसिल तहसील मैनपुर में 13वें वर्ष के उपलक्ष्य में परंपरा अनुसार भव्य जिला स्तरीय दशहरे पर्व, शरद पुन्नी मेला और झांकर, पुजारी, बैगा, सिरहा मिलन सम्मेलन सह पूजन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय आयोजन की तैयारियां जोरों पर है।

- छत्तीसगढ़ प्रदेश सहित ओड़िसा से भी पहुंचते है हजारो लोग

इस प्रकार होंगे कार्यक्रम : 24 अक्टूबर को देवी–देवताओं का आगमन एवं पूजा–अर्चना दोपहर 1 बजे चौकसिल गढ़िया माता, कुलेश्वरी माता, टंगिया कोटलो डुमा, चार चौरासी गादी माता एवं चौकसिल पहाड़ के सभी देवी–देवताओं की विशेष पूजा–अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ। शाम 4 बजे स्थानीय व अन्य स्थानों से आने वाले देवी–देवताओं का आगमन और स्थापना झांकर, पुजारी, बैगा और सिरहा अतिथियों का आत्मीय स्वागत होगा। रात 8 बजे सामाजिक प्रमुखों का



उद्बोधन एवं विचार गोष्ठी एवं 25 अक्टूबर शरद पूर्णिमा के दिन भव्य मेला का सुबह पूजा–अर्चना के बाद पारंपरिक मेला का आयोजन। दोपहर 12 बजे आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम और अतिथियों का स्वागत–उद्बोधन, शाम 4 बजे देवी–देवताओं की भव्य शोभायात्र निकाली जाएगी। आदिवासी संस्कृति अनुसार पूजा अर्चना की जाएगी।

मार्ग नहीं, ग्रामीण बना रहे सड़क

ज्ञात हो कि यहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नही है। ग्रामीण अपने स्वयं से मार्ग का निर्माण कर रहे हैं। यह आदिवासी समाज के साथ ही क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में जाना जाता है। मेला को सफल बनाने संरक्षक टीकम सिंह नागवंशी, अध्यक्ष बैजनाथ नेताम, संचालक टीकम सिंह मांझी, मंगलसिंह सोरी, खेलसिंह मरकाम, तिरथ नाग, नरेश कुमार नागेश, अर्जुन सिंह नायक, हरिश मांझी, हेमन्त ध्रुव, देवीराम जानी, कुंवर सिंह ओटी, मधुसिंह ओटी व क्षेत्र के सभी ग्रामीणों द्वारा लगातार तैयारी की जा रही है।

निर्वाचन अधिकारी शर्मा ने ली राजनीतिक दलों की बैठक

निर्वाचन प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दलों एवं व्यक्तियों के लिए समानता और निष्पक्षता सर्वोपरिः कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के संबंध में चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दलों एवं प्रत्येक व्यक्ति के लिए समानता सर्वोपरि है। निर्वाचन से संबंधित सभी कार्य निष्पक्षता, पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के अनुरूप किए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रत्येक चरण की जानकारी राजनीतिक दलों एवं आम नागरिकों तक



पहुंचाई जाए, ताकि पात्र मतदाताओं को अपने नाम की जांच करने और आवश्यक सुधार कराने में सुविधा हो। कलेक्टर ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए आवश्यक है। इसके लिए पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने, अपात्र प्रविष्टियों की नियमानुसार जांच करने तथा नाम, पता एवं अन्य विवरणों में त्रुटियों के सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए प्राप्त आवेदनों एवं दावा-आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर मतदाताओं को जागरूक करने तथा पात्र नागरिकों को पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी देने में राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मतदाता सूची से संबंधित जानकारी आम नागरिकों के लिए सहज रूप से उपलब्ध रहे और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

शहीद महेन्द्र कुमार ध्रुव के शहादत दिवस पर याद कर दी श्रद्धांजलि

छुरा। ग्राम कोसमबुड़ा निवासी शहीद महेन्द्र कुमार ध्रुव के शहादत दिवस पर शहीद स्मारक पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। उपस्थित लोगों ने शहीद महेन्द्र कुमार ध्रुव के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुलिस स्मृति दिवस पुलिस अधीक्षक सिरमौर गरियाबंद मार्गदर्शन एसडीओपी सुश्री गरिमा दादर छुरा थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर गंगवार की ओर से शहीद के परिजनों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर



सम्मानित किया गया।शहीद के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके परिवार के प्रति आदर और संवेदना प्रकट की गई। शहीदों का सर्वोच्च बलिदान सदैव देश और समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका त्याग, साहस और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा एवं कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर शहीद महेन्द्र कुमार ध्रुव के बलिदान को सदैव स्मरण रखने तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से तोकेश्वरी मांझी,चांदनी ध्रुव, झरना सोरी, सुनीता सोरी,उमेन्द सिंग सोरी,समाजसेवी शीतल ध्रुव,कदम मांझी,पुनितराम ठाकुर, ईश्वर यदु, पोखन ठाकुर, मनोज पटेल,लीला राम ठाकुर,भोला, खेमचंद ध्रुव पुलिस विभाग से नागेंद्र वर्मा उपस्थित थे।

बुजुर्गों के सहयोग से जीवंत हुई भारतीय संस्कृति की तस्वीर

नंदी महाराज की अंतिम यात्रा में उमड़ा गांव, नम आंखों से दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

गांव में खुले विचरण करने वाले नंदी महाराज का दुर्गा विसर्जन मंगलवार के दिन संध्या समय अचानक निधन हो गया। भगवान भोलेनाथ की सवारी माने जाने वाले नंदी महाराज के निधन की खबर से ग्रामीणों में शोक का माहौल बन गया। बुधवार सुबह गांव के युवाओं ने नंदी महाराज की अंतिम यात्रा निकालने की पहल की। देखते ही देखते इस यात्रा में गांव के बच्चे, युवा, बुजुर्ग और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हो गए। गांव की प्रत्येक गली से होकर निकली अंतिम यात्रा ने भारतीय परंपरा, धार्मिक आस्था, जीवों के प्रति संवेदना और सामाजिक एकजुटता की भावपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत की।

बुधवार सुबह नंदी महाराज की अंतिम यात्रा पूरे सम्मान और पारंपरिक भावनाओं के साथ निकाली गई। ग्रामीणों ने भगवान भोलेनाथ के प्रिय नंदी को श्रद्धापूर्वक अंतिम विदाई दी। गांव की गलियों से



बच्चों के लगाव ने छुआ ग्रामीणों का मन

नंदी महाराज की अंतिम यात्रा में छोटे बच्चों की मौजूदगी भी विशेष रूप से देखने को मिली। गांव में रहने और विचरण करने वाले नंदी महाराज से बच्चों का भी सहज लगाव बन गया था। अंतिम यात्रा में बच्चों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि पशु-पक्षियों और बेजुबान जीवों के प्रति प्रेम तथा करुणा के संस्कार बचपन से ही विकसित होते हैं। बुजुर्गों की मौजूदगी और सहयोग ने नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़ने का अवसर दिया।

गुजरती इस यात्रा में लोगों का जुड़ाव और श्रद्धा देखते ही बन रही थी। ग्रामीणों ने विधिवत रीति-रिवाजों का पालन करते हुए अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की। इस पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी गांव के युवा साथियों ने उठाई और आपसी सहयोग से नंदी महाराज को अंतिम विदाई दी। युवाओं की पहल को बुजुर्गों का मार्गदर्शन और सहयोग मिला, जिससे परंपराओं के निर्वहन के साथ सामूहिक सहभागिता का उदाहरण सामने आया।

एक अंतिम यात्रा, अनेक सामाजिक संदेश : नंदी महाराज की अंतिम यात्रा केवल एक बेजुबान जीव को विदाई देने का कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि यह गांव की एकजुटता, सांस्कृतिक विरासत और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक बन गई। युवाओं की सक्रियता, बच्चों का लगाव और बुजुर्गों का सहयोग इस बात का प्रमाण बना कि ग्रामीण समाज में आज भी परंपराओं और जीवों के प्रति सम्मान की भावना जीवित है।

इनकी रही उपस्थिति

आयोजन में निलेश टंडन, चंपेश्वर पटेल, विक्रम साहू, नम्मू साहू, नंदू यादव, सतीश साहू, पंचू तारक, खिलेश्वर साहू, गिरधर साहू, चोवा पटेल, बुधारू साहू, बिसन ध्रुव, कौशल निषाद, गणेश ध्रुव, दादू ध्रुव, मोंटी तिवारी, तेज प्रसाद तिवारी, उरेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, बुजुर्ग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संदेशः नंदी महाराज की अंतिम यात्रा ने यह एहसास कराया कि संस्कृति केवल रीति-रिवाजों में नहीं, बल्कि बेजुबानों के प्रति सम्मान, पीढ़ियों के बीच संस्कारों के हस्तांतरण और समाज के सामूहिक व्यवहार में भी जीवित रहती है।

